Dr. Keerti Kumar
Assistant Prof (Guest)
Deptt of Psychology
S.R.A.P. College, Bara Chakia (East Champaran)
(A constituent unit of B.R.A Bihar University, MFP)
Subject — Psychology
Topic — attitude change.
Class — B.A. (Hon) Part II Paper-IV
Day — Wednesday.
Date — 23/02/022
Period — 3rd
Contact No — 9801466117 / 6202215...

Q. What is change in attitude? Discuss the factors responsible for change in attitude?

प्रश्न :- अभिवृत्ति परिवर्तन क्या है? अभिवृत्ति परिवर्तन के लिए उत्तरदायी कुछ प्रमुख कारकों का वर्णन करें?

उत्तर :- समाज में रहकर व्यक्ति अभिवृत्तियों को सीखता है और अर्जित करता है। चूँकि अभिवृत्ति एक अर्जित गुण है। अतः इसका परिवर्तन भी सम्भव है। कुछ परिस्थितियों के अनुसार अभिवृत्तियों में परिवर्तन के कई उदाहरण हो सकते हैं। जैसे :-

1. अभिवृत्तियों की दिशा में परिवर्तन से अभिवृत्तियाँ बदल जाती हैं।
2. जब कुछ निश्चित विश्वास समाप्त हो जाते हैं तो अभिवृत्तियाँ बदल जाती हैं। कुछ विशेष प्रकार की अभिवृत्तियों का विकास रुक जाता है तो कुछ को प्रोत्साहन मिल जाता है तो भी अभिवृत्तियाँ परिवर्तित होती हैं। इसमें परिवर्तन दो प्रकार का होता है।

(1) अनुकूल परिवर्तन :- जब किसी अभिवृत्ति में परिवर्तन, अभिवृत्ति की वर्तमान दिशा के अनुकूल होता है तो ऐसे परिवर्तन को अनुकूल परिवर्तन कहते हैं। जैसे- यदि अभिवृत्ति स्वीकारात्मक है तो और अधिक स्वीकारात्मक हो जाए, और नकारात्मक है तो और अधिक नकारात्मक हो जा सकता है।

(ii) प्रतिकूल परिवर्तन :- जब किसी अभिवृत्ति के परिवर्तन की दिशा उसके पहले के विपरीत होता है तो ऐसे परिवर्तन को प्रतिकूल परिवर्तन कहते हैं। जैसे यदि अभिवृत्ति पहले से ही अनुकूल हो तो भी नकारात्मक हो जाए, अथवा सकारात्मक है तो और अधिक प्रतिकूल/नकारात्मक हो जाए। इसी प्रकार नकारात्मक अभिवृत्ति अधिक हो जाए तो अभिवृत्ति सकारात्मक हो जाए।

अभिवृत्ति परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक

(i) जन संचार एवं संप्रेषण :- पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, रेडियो, टेलिविजन आदि कुछ प्रचलित जनसंचार और संप्रेषण के साधन हैं। इन साधनों के द्वारा किसी विषय अथवा व्यक्तियों की सूचना पहुँचाई जा सकती है अथवा इन साधनों द्वारा बार-बार प्रचार देकर उनकी अभिवृत्तियों में परिवर्तन किया जा सकता है। उदाहरण के लिए सरकार परिवार नियोजन की योजना चला रही है और सरकार निरोध (कंडोम) का प्रचार कर रही है। इस प्रकार के प्रचार और संप्रेषण प्रभाव यह पड़ा है कि लोगों की इसके सम्बन्ध में अभिवृत्तियाँ परिवर्तित हुई हैं और सरकार निरोध उचित समझा जाने लगा है।

(ii) सम्पर्क (Contact) :- पारस्परिक सम्पर्क के द्वारा भी अभिवृत्तियाँ परिवर्तित हो जाती हैं। जब व्यक्ति एक दूसरे के सम्पर्क में आते हैं और साथ-साथ उठना, बैठना, खाना-पीना और रहन-सहन का अवसर मिलता है तो ऐसे सम्पर्क से भी अभिवृत्ति परिवर्तित हो जाया करती है।

(iii) स्कूल का प्रभाव :- अभिवृत्ति के परिवर्तन में शिक्षा अथवा शिक्षण संस्थाओं का भी प्रभाव बहुत हद तक स्वीकार होता है। कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्कूल में पढ़ता है बच्चों को नाना प्रकार, स्कूल के वातावरण, विभिन्न विषयों के व्यवहार को प्रभावित करते हैं।